कक्षा–IX

धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 80

खंड 'क'

1. ***नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–***

जहाँ भी दो नदियाँ आकर मिल जाती हैं, उस स्थान को अपने देश में तीर्थ कहने का रिवाज़ है। और वह केवल रिवाज़ की बात नहीं है; हम सचमुच मानते हैं कि अलग-अलग नदियों में स्नान करने से जितना पुण्य होता है, उससे कहीं अधिक पुण्य संगम स्नान में है। किंतु, भारत आज जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें असली संगम वे स्थान, वे सभाएँ तथा वे मंच हैं, जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं। नदियों की विशेषता यह है कि वे अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ, अनेक जनपदों के आँसू और उल्लास लिए चलती हैं और उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना जनपदों के मिलन का ही प्रतीक है। यही हाल भाषाओं का भी है। उनके भीतर भी नाना जनपदों में बसने वाली जनता के आँसू ओर उमंगें, भाव और विचार, आशाएँ और शंकाएँ समाहित होती हैं। अत: जहाँ भाषाओं का मिलन होता है, वहाँ वास्तव में, विभिन्न जनपदों के हृदय ही मिलते हैं, उनके भावों और विचारों का ही मिलन होता है तथा भिन्नताओं में छिपी हुई एकता वहाँ कुछ अधिक प्रत्यक्ष हो उठती है। इस दृष्टि से भाषाओं के संगम आज सबसे बड़े तीर्थ हैं और इन तीर्थों में जो भी भारतवासी श्रद्धा से स्नान करता है, वह भारतीय एकता का सबसे बड़ा सिपाही और संत है।

हमारी भाषाएँ जितनी ही तेज़ी से जगेंगी, हमारे विभिन्न प्रदेशों का पारस्परिक ज्ञान उतना ही बढ़ता जाएगा। भारतीय लेखकों की बहुत दिनों से यह आकांक्षा रही थी कि वे केवल अपनी ही भाषा में प्रसिद्ध होकर न रह जाएँ, बल्कि भारत की अन्य भाषाओं में भी उनके नाम पहुँचें और उनकी कृतियों की चर्चा हो। भाषाओं के जागरण के आरंभ होते ही एक प्रकार का अखिल भारतीय मंच आप-से-आप प्रकट होने लगा है। आज प्रत्येक भाषा के भीतर यह जानने की इच्छा उत्पन्न हो गई है कि भारत की अन्य भाषाओं में क्या हो रहा है, उनमें कौन-कौन ऐसे लेखक हैं जिनकी कृतियाँ उल्लेखनीय हैं तथा कौन-सी विचारधारा वहाँ प्रभुसत्ता प्राप्त कर रही है।

(*i*) लेखक ने आधुनिक संगम स्थल किसको माना है और क्यों? 2

(*ii*) भाषा-संगमों में भारत की किन विशेषताओं का संगम होता है? 2

(*iii*) लेखक ने सबसे बड़ा सिपाही और संत किसको कहा है? 1

(*iv*) अलग-अलग प्रदेशों में आपसी ज्ञान किस प्रकार बढ़ सकता है? 1

(*v*) स्वराज्य-प्राप्ति के उपरांत विभिन्न भाषाओं के लेखकों में क्या जिज्ञासा उत्पन्न हुई? 1

(*vi*) भाषाओं के जागरण से लेखक का क्या अभिप्राय है? 1

(*vii*) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(*viii*) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी बताइए– 1

सौरभ, आकांक्षा

(*ix*) 'उल्लेखनीय' तथा 'पारस्परिक' शब्दों में प्रत्यय अलग कीजिए। 1

(*x*) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थी बताइए– 1

भिन्नता, प्रत्यक्ष

Scanned with CamScanner

2. **निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** 2 × 4 = 8

वीर जवानो, सुनो, तुम्हारे सम्मुख एक सवाल है।
जिस धरती को तुमने सींचा
अपने खून-पसीनों से
हार गई दुश्मन की गोली
वज्र सरीखे सीनों से।
जब-जब उठीं तुम्हारी बाँहें, होता वश में काल है।
जिस धरती के लिए सदा
तुमने सब कुछ कुर्बान किया
शूली पर चढ़-चढ़ हँस-हँस कर
कालकूट का पान किया।
जब-जब तुमने कदम बढ़ाया, हुई दिशाएँ लाल हैं।
उस धरती को टुकड़े-टुकड़े
करना चाह रहे दुश्मन
बड़े गौर से अजब तुम्हारी
चुप्पी थाह रहे दुश्मन
जाति-पाँति, वर्गों-फिरकों के, वह फैलाता जाल है।
कुछ देशों की लोलुप नज़रें
लगी तुम्हारी ओर हैं
कुछ अपने ही जयचंदों के
मन में बैठा चोर है।
सावधान कर दो उसको जो पहने कपटी खाल है।

(*i*) 'धरती' शब्द से कवि का क्या अभिप्राय है? उसके लिए वीरों ने क्या किया है? 2

(*ii*) 'धरती' के दुश्मन कौन हैं? वे किन रूपों में उसके टुकड़े करना चाहते हैं? 2

(*iii*) 'अपने ही जयचंदों' से क्या तात्पर्य है? उनके मन में कौन-सा चोर बैठा हुआ है? 2

(*iv*) 'सावधान कर दो उसको जो पहने कपटी खाल है' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

खंड 'ख'

3. **(क)** निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए– 2
प्रतिभा, चिह्न

(ख) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का मानक रूप प्रयुक्त कीजिए। 1
दिनाक, चद्रमा

(ग) निम्नलिखित शब्दों में उपयुक्त स्थानों पर अनुनासिक चिह्नों का प्रयोग कीजिए। 1
चान्दनी, गांव

(घ) निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ता का प्रयोग करके शब्द पुनः लिखिए। 1
मजबूर, रफ्तार

4. **(क)** निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग अलग कीजिए– 2
साकार, प्रज्वलित

Scanned with CamScanner

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्द एवं प्रयुक्त प्रत्यय को अलग कीजिए– 1

महत्त्व, दयालु

5. (क) संधिच्छेद कीजिए– 2

स्वागत, नरेंद्र

(ख) संधि कीजिए– 2

कपि + ईश, वाक् + ईश

6. उपयुक्त स्थलों पर विराम-चिह्न लगाइए– 3

यदि राम ..... लक्ष्मण और सीता वन ..... यात्रा न करते तो उन्हें इतनी महिमा न मिलती .....

खंड 'ग'

7. (क) 'अग्निपथ' का मुख्य अर्थ और संकेत अर्थ लिखिए। 1

(ख) 'एक फूल की चाह' के आधार पर सिद्ध कीजिए कि हमारी न्याय-व्यवस्था में भी सुधार की जरूरत है। 2

(ग) नए इलाके में रहने वाले लोग कौन-सी दुविधा महसूस करते हैं? 2

8. 'अग्नि-पथ' में कवि क्या प्रेरणा देना चाहता है? 5

अथवा

गीत-अगीत का संदेश स्पष्ट कीजिए।

9. ***निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–***

रामन वैज्ञानिक चेतना और दृष्टि की साक्षात प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने हमें हमेशा ही यह संदेश दिया कि हम अपने आसपास घट रही विभिन्न प्राकृतिक घटनाओं की छानबीन एक वैज्ञानिक दृष्टि से करें। तभी तो उन्होंने संगीत के सुर-ताल और प्रकाश की किरणों की आभा के अंदर से वैज्ञानिक सिद्धांत खोज निकाले। हमारे आसपास ऐसी न जाने कितनी ही चीज़ें बिखरी पड़ी हैं, जो अपने पात्र की तलाश में हैं। ज़रूरत है रामन के जीवन से प्रेरणा लेने की और प्रकृति के बीच छुपे वैज्ञानिक रहस्य का भेदन करने की।

(क) रामन को वैज्ञानिक चेतना और दृष्टि की साक्षात् मूर्ति क्यों कहा गया है?

(ख) रामन ने हमें क्या संदेश दिया?

(ग) रामन ने अपने आसपास के जीवन से वैज्ञानिक सिद्धांत खोज निकाले-आशय स्पष्ट कीजिए।

(घ) आज आवश्यकता किस बात की है?

अथवा

हमारा अन्न कीचड़ में से ही पैदा होता है इसका जाग्रत भान यदि हर एक मुनष्य को होता तो वह कभी कीचड़ तिरस्कार न करता। एक अजीब बात तो देखिए। 'पंक' शब्द घृणास्पद लगता है, जबकि पंकज शब्द सुनते ही लोग डोलने और गाने लगते हैं। मल बिल्कुल मलिन माना जाता है किंतु कमल शब्द सुनते ही चित्त में प्रसन्नता आह्लादकत्व फूट पड़ते हैं। कवियों की ऐसी युक्तिशून्य वृत्ति उनके सामने हम रखें तो वे कहेंगे कि "आप व की पूजा करते हैं इसलिए वसुदेव को तो नहीं पूजते, हीरे का भारी मूल्य देते हैं किंतु कोयले या पत्थर का न और मोती को कंठ में बाँधकर फिरते हैं किंतु उसकी मातुश्री को गले में नहीं बाँधते!" कम-से-कम इस वि कवियों के साथ तो चर्चा न करना ही उत्तम!

(क) किस अज्ञान के कारण मनुष्य कीचड़ का तिरस्कार करता है?

(ख) पंक और पंकज का संबंध स्पष्ट करते हुए बताइए कि लोग इन दोनों में भेद क्यों करते हैं?

(ग) मल और कमल का संबंध बताते हुए स्पष्ट कीजिए कि लोग किसे पसंद करते हैं?

(घ) कवि की किस वृत्ति को युक्तिशून्य कहकर तिरस्कृत किया गया है?

(ङ) कवि कीचड़ के विरोध में क्या-क्या तर्क देते हैं?

Scanned with CamScanner

10. ***निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–***

(क) 'बुद्धि की मार' के तात्पर्य में लेखक के क्या विचार हैं? 'धर्म की आड़' के आधार पर लिखिए।

(ख) वाद्ययंत्रों पर की गई खोजों से रामन ने कौन-सी भ्रांति तोड़ने की कोशिश की?

(ग) महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाड़ला बना दिया था?

11. 'कीचड़ का काव्य' में लेखक ने कीचड़ को काव्य की संज्ञा क्यों दी है?

अथवा

'महादेव देसाई गाँधी जी के पूरक थे'।–'शुक्रतारे के समान' पाठ के आधार पर प्रमाणित कीजिए!

12. मालाबार में हिंदू-मुसलमानों के परस्पर संबंधों को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

लेखक के लिए पुस्तकें ही प्राण होती हैं।–स्पष्ट कीजिए।

खंड 'घ'

13. मित्र को पत्र लिखकर उसके पिता की मृत्यु पर संवेदना प्रकट कीजिए।

अथवा

छोटे भाई को व्यायाम करने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए।

14. ***निम्नलिखित संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए–***

(क) समय बहुमूल्य है

- बीता समय लौटकर नहीं आता
- सफलता के लिए ठीक समय का चुनाव अपेक्षित
- एक-एक क्षण का उपयोग सफलता की कुंजी
- समय का सदुपयोग करने वाले कुछ सफल लोग
- उपसंहार (काल्ह करै सो आज कर सूक्ति से) अथवा अन्य किसी उपयुक्त ढंग से।

(ख) आदर्श विद्यार्थी

- विद्यार्थी का अर्थ
- तपस्वी छात्र
- सादा जीवन उच्च विचार
- जिज्ञासा और श्रद्धा
- अनुशासित और नियमित जीवन
- बहुमुखी व्यक्तित्व।

(ग) दूरदर्शन के लाभ तथा हानियाँ

(*i*) दूरदर्शन के लाभ

- शिक्षा
- मनोरंजन
- जन-जागरण

(*ii*) हानियाँ

- स्वास्थ्य की हानि
- अकर्मण्यता
- हिंसा व अश्लीलता का प्रदर्शन

(*iii*) उपसंहार।

15. किसी नए मोबाइल अथवा कोचिंग संस्थान का विज्ञापन तैयार कीजिए।

Scanned with CamScanner